Agri Express: **1 (01),** *Article No.* **V01I01.01**

भारत द्वारा G-20 की अध्यक्षता, और कृषि परिदृश्य

अमित सिंह

सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एंड साइंस, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

*Corresponding author email: irctcamit213@gmail.com

इंडोनेशिया के बाली में 17वें जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत को जी20 की अध्यक्षता सौंपी गई। 1 दिसंबर से शुरू होने वाले इस प्रभावशाली समूह का नेतृत्व भारत करेगा, जो सभी भारतीयों के लिए एक बड़ा अवसर पेश करेगा। विशेषज्ञ वैश्विक मंच पर इस नेतृत्व भूमिका के महत्व का विश्लेषण कर रहे हैं, जो भारत के एक प्रमुख विश्व नेता के रूप में उभरने का प्रदर्शन कर रहा है। अब यह हम पर निर्भर है कि हम भारत के आदर्शों, क्षमताओं, संस्कृति और सामाजिक प्रभाव को बाकी दुनिया के सामने प्रदर्शित करें। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी प्राचीन बौद्ध संस्कृति के ज्ञान और उसमें समाहित आधुनिकता को वैश्विक समुदाय के साथ साझा करें।

कृषि परिदृश्य

लोगों के आहार में बाजरा, पौष्टिक अनाज, फल, सब्जियां, मछली, डेयरी और जैविक उत्पादों जैसे पारंपरिक खाद्य पदार्थों को फिर से शामिल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। भारत ने हाल के वर्षों में इन खाद्य पदार्थों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है और इसे स्वस्थ भोजन को बढ़ावा देने में अग्रणी देश माना जाता है। यह ऐसे उत्पादों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य बनता जा रहा है। कुपोषण से निपटने के लिए, सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर मुख्य खाद्य पदार्थों की बायोफोर्टिफाइड किस्मों को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। गरीबी उन्मूलन और शून्य भुखमरी के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम करना जारी रखना महत्वपूर्ण है। उत्पादकता में सुधार के लिए अनुसंधान और विकास में सहयोग के साथ-साथ सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना आवश्यक है।

क्या है G20

G20 समूह की स्थापना 1990 के दशक के उत्तरार्ध के वित्तीय संकट के जवाब में की गई थी जिसका पूर्वी एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा था। इसका लक्ष्य मध्यम आय वाले देशों को शामिल करके वैश्विक स्थिरता को बढ़ावा देना है। G20 राष्ट्र दुनिया की 60% आबादी, 85% वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद और 75% वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। G20 के सदस्यों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया गणराज्य, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं। , और संयुक्त राज्य अमेरिका। G20 शिखर सम्मेलन में स्पेन एक स्थायी अतिथि है।

भारत के लिए क्यों अहम

इस मंच का सबसे महत्वपूर्ण पहलू वार्षिक शिखर सम्मेलन है जहां दुनिया भर के विभिन्न देशों के शीर्ष नेता जुटते हैं। इसके अलावा, भारत इस वर्ष जी20 की अध्यक्षता संभालेगा, जो देश के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य प्रस्तुत करता है। भारत की G20 प्राथमिकताओं में समावेशन को बढ़ावा देना, टिकाऊ और निष्पक्ष विकास, महिलाओं को सशक्त बनाना, डिजिटल बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाना, तकनीक-संचालित विकास को बढ़ावा देना, जलवायु वित्तपोषण को संबोधित करना, वैश्विक खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना, अन्य प्राथमिकताओं जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं। इस साल का जी-20 शिखर सम्मेलन एक बार फिर विश्व नेताओं को एक साथ लाएगा, जिनमें चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन शामिल हैं। अनुमान है कि भारत विभिन्न देशों के साथ विभिन्न व्यापार समझौतों के संबंध में चर्चा में शामिल होगा। इसके अतिरिक्त, प्रधान मंत्री मोदी शिखर सम्मेलन के मौके पर कई नेताओं के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें करेंगे।

*****